FIRST TERMINAL EVALUATION 2017

Answer Key Hindi

Std VIII

क्रम संख्या	मूल्यांकन सूचक	स्कोर / सूचक	कुल स्कोर
1	शहशाह अकबर के निर्देशानुसार बीरबल ने ऐसा किया ।	1	1
2	**तालिका की पूर्ति** दूकान चलानेवाला – दूकानदार कपड़ा साफ़ करनेवाली – धोबी घर संभालनेवाली –– गृहणि खेत में काम करनेवाला – किसान दफ्तर का काम करनेवाला – लिपिक	 1 1 1 1	 4
3	निरंतर का दुख मनुष्य को कष्ट देता है। निरंतर का सुख भी कष्ट देता है।मनुष्य इन दोनों स्थितियों में दुखी रहता है।	3	3
4	व्यक्ति	1	1
5	रंग – रंग का फूल दिखाा क्या बाँका सुगंध फैलाता ।	 2	 2
6	कविताँश व्यक्त करते हुए आशय लिखा है। कविताँश का आशय आँशिक रूप से लिखा है । लिखने का प्रयास किया है।	1 1 1	 3
7	ज्ञान तो सबकी भलाई केलिए ही होता है। वह ज्ञान जिससे अपना या दूसरों का नुकसान हो , वह ज्ञान नहीं बल्कि अज्ञान है।	2	2
8	विश्लेषण के साथ ज्ञान के संबन्ध में टिपपणी लिखी है। ज्ञान का परिचय कराते हुए टिप्पणी लिखी है। ज्ञान का परिचय कराते हुए आँशिक रूप से टिप्पणी लिखी है। टिप्पणी लिखने का प्रयास किया है।	1 1 1 1	 4

9	हम	1	1
10	हरेक ऐसा कुछ जानता है जो दूसरों को नहीं पाता है। हर व्यक्ति में कोई न कोई हूनर है। यह जानने के लिए बीरबल सभी प्रकार के लोगों को दरबार में बुला लाया ।	2	2
11	ज्ञान सबकी भलाई के लिए है।	2	2
12	बूढ़ी महिला माँ , गुरू , पडोसिन और दोस्त की प्रतिनिधि हो सकती है।	2	2
13	जीवन की सफलता केलिए सुख–दुख का आना–जाना आवश्यक है। सुख–दुख एक ही सिक्के के दो पहलू है। दोनों के सम्मिलित रूप में जीवन की सार्थकता एवं पूर्णता निहित है।	2	2
14	प्रत्येक राजकुमार अपनी अपनी खूबियाँ बताता है। लेकिन तीनों में कोई भी ज्ञानी नहीं थे । सबके अंदर अंधकार थे। जिसने अपना ज्ञान समाज की भलाई केलिए उपयोग करता है वही बड़ा ज्ञानी है।	2	2
15	संक्षिप्त एवं प्रभावशाली संदेश आकर्षक रूप से पोस्टर के रूप में प्रस्तुत किया है। संक्षिप्त संदेश आकर्षक रूप से पोस्टर के रूप में प्रस्तुत किया है। पोस्टर के रूप में संदेश प्रस्तुत किया है। पोस्टर बनाने की कोशिश की है।	1 1 1 1	4
16	आशय समझकर तर्कसंगत उत्तर देता है। आशय समझकर लिखा है।	1/2 1/2	1
17	आसमान – आकाश अविरत– निरंतर इंतज़ाम – प्रबंध	 1 1	2
18	मैं बहूत चतुर नहीं – अकबर मैं तुम लोगों के पीछे–पीछे आ रहा था – गुरु मैंने बस आपके आदेशों का पालन किया था – बीरबल	1 1 1	3
19	मैं मंत्र पढ़ता **हूँ** । तुम इसमें प्राण भी डाल सकते **हो** ।	1 1	2

		तैयारी *अशोककुमार एन.ए.* *एच.एस.ए.(हिंदी)* *जी.एच.एस.एस.पेरुमपलम ।* *आलप्पुषा जिला*		